

करपूरी ठाकुर को भारत रत्न

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने घोषणा की कि समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री करपूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

- इस वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री करपूरी ठाकुर की जन्मशती के उपलक्ष्य में बिहार में तीन दिवसीय समारोह आयोजित किया जा रहा है।

करपूरी ठाकुर कौन थे?

- करपूरी ठाकुर, जिन्हें "जन नायक" कहा जाता है, एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने वर्ष 1970-71 और 1977-79 तक दो बार बिहार के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।
- प्रारंभिक जीवन और राजनीतिक आधार (1942-1967): वह एक स्वतंत्रता सेनानी और कट्टर समाजवादी थे, जिन्होंने जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया तथा रामनंदन मशिरा जैसे दार्शनिकों के मार्गदर्शन में काम किया।
 - OBC के बीच अत्यंत पछिड़ा वर्ग (Extremely Backward Class- EBC) के रूप में सूचीबद्ध नाई समुदाय (Nai community) का प्रतिनिधित्व किया।
 - वर्ष 1952 में राजनीति में प्रवेश किया और वर्ष 1985 तक वधायक रहे।
- मुख्यमंत्री का कार्यकाल और नीतियाँ: वर्ष 1977 में उनके मुख्यमंत्रित्व काल में, मुंगेरी लाल आयोग ने पछिड़े वर्गों को अत्यंत पछिड़े वर्गों (मुसलमानों के कमज़ोर वर्गों सहित) और पछिड़े वर्गों में पुनर्वर्गीकृत करने की सिफारिश की।
 - वर्ष 1978 में उन्होंने एक अभूतपूर्व आरक्षण मॉडल पेश किया, जिसमें OBC, EBC, महिलाओं और सूच्य जातियों के बीच आर्थिक रूप से पछिड़े वर्गों के लिये विशिष्ट कोटा के साथ 26% आरक्षण आवंटित किया गया।
 - इस पुनर्वर्गीकरण को मंडल आयोग की रिपोर्ट के प्रभाव के रूप में भी देखा गया, जिसमें अन्य पछिड़ा वर्ग के लिये 27% आरक्षण का समर्थन किया गया था।
 - हिंदी और उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में बढ़ावा देने, स्कूल की फीस माफ करने तथा पंचायती राज को मज़बूत करने सहित व्यापक नीतियाँ लागू की।

भारत रत्न पुरस्कार क्या है?

- भारत रत्न भारतीय गणराज्य का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।
- इतिहास और विकास: वर्ष 1954 में स्थापित यह पुरस्कार जाति, व्यवसाय, स्थिति या लिंग के भेदभाव के बिना, उच्चतम कर्म की असाधारण सेवा/प्रदर्शन की मान्यता में प्रदान किया जाता है।
 - यह पुरस्कार मूल रूप से कला, साहित्य, विज्ञान और सार्वजनिक सेवाओं में उपलब्धियों तक सीमित था।
 - लेकिन दिसंबर 2011 में सरकार ने मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र को शामिल करने के लिये मानदंडों का विस्तार किया।
- प्रथम प्राप्तकर्ता: भारत रत्न के प्रथम प्राप्तकर्ता सी. राजगोपालाचारी, सर्वपल्ली राधाकृष्णन और सी. वी. रमन थे, जिन्हें वर्ष 1954 में सम्मानित किया गया था।
 - हाल ही में वर्ष 2019 में, यह नानाजी देशमुख, भूपेन हजारिका और प्रणव मुखर्जी को प्रदान किया गया था।
- प्रमुख पहलुः
 - यह अनिवार्य नहीं है कि हर वर्ष भारत रत्न प्रदान किया जाए।
 - ऐसा कोई लिखित प्रावधान नहीं है कि भारत रत्न केवल भारतीय नागरिकों को ही दिया जाना चाहिये।
 - यह पुरस्कार एक स्वाभाविक भारतीय नागरिक, एग्नेस गोंकसा बोजाक्सीहु, जिन्हें मदर टेरेसा (1980) के नाम से जाना जाता है और दो गैर-भारतीयों - खान अब्दुल गफ्फार खान तथा नेल्सन मंडेला (1990) को प्रदान किया गया है।
 - भारत रत्न हेतु सिफारिश प्रधानमंत्री द्वारा भारत के राष्ट्रपति को की जाती है।
 - भारत रत्न पुरस्कारों की संख्या किसी विशेष वर्ष में अधिकतम तीन वर्ष तक सीमित है।
 - पुरस्कार प्रदान किये जाने पर, प्राप्तकर्ता को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाण पत्र) और एक पदक प्राप्त होता है।
 - पुरस्कार में कोई मौद्रिक अनुदान नहीं है।

- **संवधान के अनुच्छेद 18(1) के अनुसार**, पुरस्कार का उपयोग प्राप्तकर्त्ता के नाम के उपसर्ग या प्रत्यय के रूप में नहीं किया जा सकता है।
- हालाँकि एक पुरस्कार धारक अपने बायोडाटा/लेटरहेड/वजिटिंग कार्ड आदि में नमिनलखिति अभिव्यक्ति का उपयोग करके यह बताना आवश्यक समझता है **कविह राष्ट्रपतिद्वारा भारत रत्न से सम्मानित पुरस्कार का प्राप्तकर्त्ता है।**

जन नायक कर्पूरी ठाकुर



■ श्री कर्पूरी ठाकुर का जन्म 1924 में समाज के सबसे पिछड़े वर्गों में से एक - नाई समाज में हुआ था। वह एक उल्लेखनीय नेता थे जिनकी राजनीतिक यात्रा समाज के हाशिए पर मौजूद वर्गों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से चिह्नित थी।

■ उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष में एक प्रमुख व्यक्ति थे।

■ कर्पूरी ठाकुर की सकारात्मक कार्यवाही के प्रति प्रतिबद्धता ने देश के गरीबों, पीड़ितों, शोषितों और वंचित वर्गों को प्रतिनिधित्व और अवसर दिये।

■ कर्पूरी ठाकुर की नीतियां और सुधार कई लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में अग्रणी थे, खासकर शिक्षा, रोजगार और किसान कल्याण के क्षेत्र में।

श्री ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित करके सरकार लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में उनकी भूमिका को मान्यता देती है।

सरकार भी समाज के वंचित वर्गों के लिए एक प्रेरक व्यक्ति के रूप में उनके गहरे प्रभाव को स्वीकार करती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2021)

1. भारत रत्न और पद्म पुरस्कार भारत के संवधान के अनुच्छेद 18(1) के अंतर्गत उपाधयिँ हैं।
2. वर्ष 1954 में प्रारंभ कयि गए पद्म पुरस्कारों को केवल एक बार नलिंबति कयि गया था।
3. कसिी वर्ष-वशिष में भारत रत्न पुरस्कारों की अधिकितम संख्या पाँच तक सीमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

